राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं
अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–18 अंक–02 अप्रेल–जून 2017

ik- lh- Fkxjkt u xg.kfd ;kfuVj Hkkiky d fun'kd dk inHkkj

ik- lh- Fkxjkt dk Lokxr djr ik- djkfy;k

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने प्रो. सी. थंगराज को एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। प्रो. थंगराज ने दिनांक 17 अप्रेल 2017 को निदेशक का पदभार ग्रहण किया। प्रो. थंगराज ने विभिन्न संस्थाओं में वरिष्ठ प्रशासनिक, अकादमिक पदों को सुशोभित किया है। दीर्घ प्रशासनिक अनुभव के धनी प्रो. थंगराज ने कार्यभार ग्रहण करने के साथ निटर को नये स्वरूप में लाने के प्रयास प्रारम्भ कर दिये हैं। उन्होंने संस्थान के राजीव गांधी सभागार में सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुये निटर भोपाल के विकास के लिये दीर्घकालिक कार्य योजना पर प्रकाश डालते हुये

lLFkku d u; fun'kd ik- lh- Fkxjkt

कहा कि हम सभी को संस्थान हेतु अपने कार्य एवं योगदान पर गर्व होना चाहिए। हम सभी एक परिवार की तरह मिल–जुल कर रहें। संस्थान के हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण होता है, चाहे वह किसी भी स्तर पर कार्य क्यों न कर रहा हो। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में निटर भोपाल की भावी एवं प्रभावी कार्य योजना बनाकर उसके समयबद्ध क्रियान्वयन पर बल दिया। उन्होंने प्रदर्शन का मूल्यांकन, कॉर्पोरेट संबंध, उपलब्धियों हेतु लक्ष्य निर्धारण, अनुसंधान एवं विकास, सबको आगे बढ़ाये जाने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाने पर चर्चा की। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नित नई चुनौतियों एवं उनके समाधान में निटर की भूमिका क्या हो इस बात पर भी प्रकाश डाला। देश में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं की

fuVj ifjokj dk lkf/kr djr ik- Fkxjkt

संख्या बढ़ी है लेकिन शैक्षणिक गुणवत्ता हेतु प्रयास करने की आवश्यकता है। आज के शिक्षकों के सामने कई चुनौतियां हैं, उन्होंने शिक्षण–अधिगम की आधुनिक विधियों को अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी निदेशक प्रो. डी.एस. करौलिया ने नये निदेशक प्रो. सी. थंगराज का स्वागत करते हुये उनके जीवन वृत्त पर विस्तृत प्रकाश डाला। संस्थान के प्रभारी प्राध्यापक प्रशासन प्रो. पीयूष वर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति अनिता लाला ने किया।

vdknfed vul/kku ,o ijke'kd {k= e uokpkj t:jh& ik- lh- Fkxjkt

एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद संकाय सदस्यों के साथ बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि संकाय सदस्य संस्थान के लिये दीर्घकालिक योजना पर

ldk; lnL;k dh cBd dk lckf/kr djr ik- Fkxjkt

कार्य करें। उन्होंने संस्थान की दशा एवं दिशा के निर्धारण हेतु विभिन्न सुझावों पर चर्चा करते हुये कहा कि समय की मांग को ध्यान में रखते हुये अकादमिक, अनुसंधान एवं परामर्श के क्षेत्र मे नित नये नवाचार की आवश्यकता है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा, क्षमता विकास, कॉर्पोरेट सम्बंध, संस्थान की संरचना आदि विषयों पर चर्चा करते हुये अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हमें सकारात्मक एवं रचनात्मक कार्य संस्कृति को अपनाना होगा। उन्होंने संस्थान में सांस्कृतिक परिवर्तन के साथ–साथ संकाय सदस्यों के व्यक्तिगत प्रदर्शन व विकास, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा, ग्राहक संतोष, विभिन्न राज्यों के साथ निटर भोपाल के सहयोग व सम्बंधों को बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, योजना अनुसार समयबद्ध कार्य, परामर्श के बाद निर्णय, उपलब्धियों हेतु लक्ष्य निर्धारण, योग्यता को मान्यता, कार्य नैतिकता, अंतः स्थापित नवाचार आदि विषयों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने संस्थान में उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण निर्मित कर अनुसंधान व विकास, परामर्श हेतु नवीन योजना पर कार्य करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में संभावित अनुसंधान के विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कार्य एवं निर्णयों में पारदर्शिता, समय की पाबंदी, जबावदेही, क्षमता विकास एवं जिम्मेदारियों को साझा करने पर बल दिया। उन्होंने नियमित रूप से बैठक एवं प्रगति की निगरानी की आवश्यकता बताई। उन्होंने तकनीकी के क्षेत्र में नये पाठ्यक्रम प्रारंभ करने, पाठ्यचर्या निर्माण में कौशल विकास, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन में नवाचार, उद्योगों की आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम व प्रशिक्षण, तकनीकी विश्वविद्यालयों से सहयोग, अकादमिक व अनुसंधान कार्य हेतु अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से सहयोग आदि मुद्दो पर चर्चा की। संस्थान में परामर्श हेतु राष्ट्रीय नीतियों के प्रभाव का मूल्यांकन, नीतिगत प्रस्ताव, शोद्य प्रस्ताव, राष्ट्रीय मूल्यांकन परीक्षण, अभियंताओं के ज्ञान एव कौशल की प्रोफाइल निर्माण, ग्रीन कौशल हेतु क्षमता विकास, इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिये कौशल व योग्यता का निर्धारण, शैक्षणिक केडर में निपुणता स्तर, इंजीनियरों के विकास की प्रोफाइल निर्माण, विभिन्न उद्योग व संस्थानों के साथ मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, विशेषज्ञता को साझा करना, विभिन्न परियोजनाओं के तहत संकाय सदस्यों का विनिमय, योजना के साथ प्रगति, वैयक्तिक, विभाग एवं संस्थागत दायित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संकाय सदस्यों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया

'k{kf.kd lLFkkuk vkj m|kx txr d chp cgrj uVofdx ,o lpkj t:jh& ik- lh- Fkxjkt

ifrfuf/k;k dh cBd dk lckf/kr djr ik- Fkxjkt

एनआईटीटीटीआर विस्तार केन्द्र पुणे द्वारा दिनांक 31 मई 2017 को महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न शैक्षणिक संस्थान एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने की। विस्तार केन्द्र पुणे के समन्वयक प्रो. व्ही.डी. पाटिल ने समस्त प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए निटर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। निटर भोपाल के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में तकनीकी शिक्षकों की उद्योग जगत के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता के साथ–साथ शैक्षणिक कार्य को उद्योग जगत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रीन अर्थव्यवस्था व सतत विकास के लिए वर्तमान पाठ्यक्रमों में परिवर्तन व नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज उद्योग जगत एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच खाई है जिसे पाटने की आवश्यकता है। इस कार्य हेतु हर स्तर पर प्रासंगिक एवं उत्कृष्टता की दिशा में ध्यान देना होगा। आज शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच बेहतर नेटवर्किंग एवं संचार होना जरूरी है। आज एआईसीटीई ने भी विभिन्न पाठ्यक्रमों में उद्योगों में प्रशिक्षण से संबंधित नीति बनाई है। उद्योग जगत की आवश्यकता के अनुसार परिणाम आधारित पाठ्यक्रमों की आवश्यकता है। इस बैठक में शैक्षणिक संस्थान एवं उद्योग जगत के 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ekuo lalk/ku fodkl ea=ky; }kjk jktHkk"kk fujh{k.k lEiUu

jktHkk"kk lfefr lnL;k dk Lokxr djrs iks- lh- Fkxjkt

निटर भोपाल में 02 जून 2017 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली के सहायक निदेशक राजभाषा, श्री जीवनलाल एवं श्री आशीष ने राजभाषा संबंधी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर संस्थान द्वारा उन्हें बताया गया कि यहां पर हर कर्मचारी हिन्दी में कार्य करने पर गौरवान्वित महसूस करता है। उन्होंने संस्थान की राजभाषा पत्रिका संपर्क सरिता, संस्थान द्वारा हिन्दी में निर्मित फिल्मों, वीडियों व्याख्यान व संकाय सदस्यों द्वारा हिन्दी में लिखी पुस्तकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान द्वारा आयोजित किये जाने वाली राजभाषा कार्यशाला, संगोष्ठी व व्याख्यानों की सराहना की। संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया। इस निरीक्षण को सम्पन्न कराने में श्री डी.के. तिवारी, श्रीमती रत्नेश यादव आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

jktHkk"kk dk;kZdk fujh{k.k djrs lfefr lnL;

rduhdh laLFkkvksa esa xq.koRrk lqfuf'pr djuk ge lHkh dk nkf;Ro & iks- iwfu;k

20 जून 2017 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के उपाध्यक्ष प्रो. एम. पी. पूनिया ने एनआईटीटीटीआर, भोपाल में भ्रमण किया। इस अवसर पर प्रो. पूनिया ने संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुये कहा कि आज तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों का दौर है। हम सभी को इस बदलते परिवेश में मिलकर कार्य करना होगा। यदि हमने समय की मांग के अनुसार अपने आप को नहीं बदला तो हम

iks- iwfu;k dk laLFkku esa Lokxr djrs iks- Fkxjkt

अपनी पहचान और प्रासंगिकता खो देंगे। एआईसीटीई से जुड़ी संस्थायें अकेले कुछ नही कर सकती हैं। तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है। बदलते परिवेश में देश के चारों निटर संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देश में अच्छे शिक्षकों की कमी है, पाठ्यक्रम में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन करना है। आने वाले समय मे नये परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षकों के प्रशिक्षण की मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आज जिस व्यक्ति के पास डिग्री है उसके पास कौशल नही है जहॉ कौशल है वहां डिग्री नही है। तकनीकी संस्थाओं ने जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तो खड़ा कर लिया पर शिक्षक एवं विद्यार्थियों पर समुचित ध्यान नहीं दिया। उन्होंने पूर्व के शिक्षकों की चर्चा करते हुये कहा कि वे अपने आप को जिम्मेदार मानते थे एवं विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास के लिये कृत संकल्पित थे। आज गुरू–शिष्य की उस महान अनुकरणीय परंपरा में कमी आई है। परिवार विघटित हो रहे हैं विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। हमें समग्र रूप से इस दिशा में प्रयास करने होंगे। प्रो. पूनिया ने अच्छे शिक्षक तैयार करने की दिशा में एआईसीटीई द्वारा स्नात्कोत्तर कक्षाओं के छात्रों हेतु प्रस्तावित औद्योगिक प्रशिक्षण, शिक्षा प्रोद्योगिकी का प्रशिक्षण आदि की जानकारी दी। संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने प्रो. पूनिया का संस्थान में स्वागत करते हुये कहा कि तकनीकी संस्थाओ की चुनौतियों के समाधान हेतु निटर, एआईसीटीई के साथ मिलकर महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व निभा सकता है। उन्होंने

ldk; lnL;ksa dks lacksf/kr djrs iks- iwfu;k

कहा कि निटर जैसी संस्थायें आज बहुत प्रासंगिक हैं एवं उनका दायित्व है कि इस दिशा में काम करें। इस अवसर पर संस्थान के समस्त संकायगण उपस्थित थे

e-i- ikfyVfDud ,obthfu;fjx dkf'k{kdkgrq bMD'ku dk;Øe

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा म.प्र. राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक संस्थानों में नव नियुक्त शिक्षकों हेतु 10 विशेष इंडक्शन फेस– 2 कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इन विशेष 15 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रमों के प्रत्येक बैच में 40–40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इस प्रकार लगभग 400 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन प्रतिभागियों को कार्यक्रम शैक्षणिक परिणाम, कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम, पाठ्यक्रम परिणाम, तकनीकी शिक्षा की चुनौतियां, नये उत्तरदायित्व, एनबीए एक्रीडिटेशन की प्रक्रिया एवं उनसे संबंधित दस्तावेजों का निर्माण, विद्यार्थियों हेतु विभिन्न गतिविधियों का प्रभावी आयोजन, शैक्षणिक माध्यमों का विकास, प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के प्रयोगों का निर्माण, पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका, प्रगत शैक्षणिक विधियाँ, प्रश्नपत्रों का निर्माण, मूल्यांकन पद्धति, शोध–पत्र लेखन, टीम में काम करना, उद्यमिता विकास, व्यावसायिक नैतिकता, परामर्श प्रबंधन, शिक्षण अधिगम में इंटरनेट का उपयोग, प्राबल्म/प्रोजेक्ट आधारित अधिगम आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के समस्त संकाय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के आयोजन में प्रो. पी.के. पुरोहित समन्वयक म.प्र. का विशेष योगदान है।

---

vkb-,l-vk- 9001%2008 dk iqu% izek.khdj.k grq vkfMV

एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल संस्थान में गुणवत्ता प्रदान करने के लिए वर्ष 2014 में आई.एस.ओ. प्रमाणीकरण लिया गया था। तीन वर्ष पश्चात दिनांक 25 अप्रैल 2017 को पुनः प्रमाणीकरण ऑडिट हुआ। इस ऑडिट के लिए ऑडिटर श्री अंकुर संगल एवं श्री नीरज अग्रवाल उपस्थित थे। ऑडिटर ने निरीक्षण का प्रारंभ निदेशक प्रो. सी. थंगराज से मुलाकात से किया। उनसे चर्चा कर संस्थान के भविष्य की योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी ली, तत्पश्चात संस्थान के विभिन्न विभागों, केन्द्रों एवं आई.एस.ओ. सेल का निरीक्षण कर संतोषजनक कार्य निष्पादित करने की रिपोर्ट दी। ऑडिटर द्वारा ऑडिट के पश्चात अपनी रिपोर्ट में गुणवत्ता उन्नयन करने के लिए आई.एस.ओ. 2001 : 2015 की सिफारिश की।

डॉ. निशीथ दुबे, एम.आर., आई.एस.ओ. सेल ने आई.एस.ओ. गतिविधियों की सफलता का श्रेय संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं आंतरिक आडिटर्स के कठिन परिश्रम एवं सतत सहयोग को दिया और भविष्य में इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने आई. एस.ओ. के सफल कार्यान्वयन के लिए निदेशक महोदय, अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों, सभी संकाय सदस्यों, केन्द्र प्रभारी, कर्मचारियों का आभार माना। आई.एस.ओ. ऑडिट संपन्न कराने में प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. अनिल कुमार, प्रो. आशीष देशपाण्डे एवं डॉ. रौली प्रधान का विशेष सहयोग रहा।

ldk; lnL;k dk lEckf/kr djrs fujh{k.k lfefr lnL;

,u-ch-,- ij dk;Øe vk;kftr

प्रबंधन विभाग द्वारा ''एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन'' विषय पर दिनांक 03 से 07 अप्रेल 2017 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें तकनीकी संस्थाओ के प्राचार्य, अधिष्ठाता, विभाग प्रमुख, वरिष्ठ संकायगण ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रस्तुतीकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्व–मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। इस कार्यक्रम में 66 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. आर.के. दीक्षित एवं डॉ. डी.एस. करौलिया ने योगदान दिया।

fuVj pUub e dk;'kkyk dk vk;kt u

देश के चार राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, और कोलकाता की दो दिवसीय संयुक्त कार्यशाला दिनांक 08 एवं 09 जून 2017 को निटर चेन्नई में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में चारो निटर द्वारा स्वयं प्लेटफार्म (SWAYAM) पर बड़े स्तर पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (MOOCS) के निर्माण एवं उनके संचालन पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) के उपाध्यक्ष प्रो. एम. पी. पूनिया, डॉ. मनप्रीत मन्ना, संचालक, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, श्री शिवकुमार श्रीनिवासा, माईक्रोसाफ्ट इंडिया एवं चारों निटर के 28 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। निटर चेन्नई के निदेशक शिक्षक प्रशिक्षण के इस पाठ्यक्रम के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. सुधीन्द्र नाथ पांडा ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये कार्यशाला की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के संचालक, डॉ. मनप्रीत मन्ना ने स्वयं प्लेटफार्म पर संचालित पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला एवं कहा कि निटर संस्थायें शिक्षकों के प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। निटर संस्थायें डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों का समन्वयन कर सकती हैं।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. एम.पी. पूनिया ने कहा कि देश की तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के प्रमाणीकरण, इंजीनियरिंग शिक्षा के डिप्लोमा एवं डिग्री कार्यक्रमों को शिक्षकों के केरियर एडवांसमेन्ट से जोड़ना चाहिए। उन्होंने प्रतिनिधियों को इस संबंध में एक प्रस्ताव भी वितरित किया। उन्होंने कहा कि स्वयं प्लेटफार्म पर संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों एवं शिक्षकों के प्रमाणीकरण पर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता की संभावनायें भी देखी जायेंगी। माइक्रोसाफ्ट इंडिया के श्री शिवकुमार श्रीनिवासा ने स्वयं पोर्टल के संचालन के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। निटर चेन्नई के निदेशक डॉ. सुधीन्द्र नाथ पांडा ने कार्यशाला में बताया कि निटर द्वारा संचालित लगभग 50 पाठ्यक्रमों मे से निटर भोपाल शिक्षक प्रशिक्षण से संबंधित 13 पाठ्यक्रमों का निर्माण करेगा। इस कार्यशाला में निटर भोपाल के प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट, प्रो. संदीप केदार, डॉ. के. जेम्स मथाई, प्रो. अस्मिता ए. खजांची, प्रो. चंचल मेहरा, डॉ. एम.ए. रिजवी, प्रो. सूसन मेथ्यू ने भाग लिया।

dk;'kkyk e Hkkx yr fuVj l dk; lnL;

dk'ky fodkl ij dk;Øe

अगले दशक में भारत विश्व का सबसे युवा देश होगा। इस युवा शक्ति को देश एवं विदेशों में रोजगार प्राप्त करने के लिए विश्वस्तरीय कौशल

विकसित करना अत्यन्त आवश्यक होगा। विगत वर्षों से भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार का ध्यान कौशल विकास योजनाओं पर केन्द्रित है। वर्ष 2020 तक म.प्र. सरकार अपने सभी विभागों के सहयोग से युवाओं में कौशल विकास करना चाहती है। संचालनालय, कौशल विकास ने एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल पर पुनः विश्वास कर प्रशिक्षण अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया। श्री एम. सीबी चक्रवर्ती, निदेशक, संचालनालय कौशल विकास म.प्र. का मत है कि प्रशिक्षण अधिकारी युवा शक्ति को डेमोग्राफिक डिविडेंड में परिवर्तित कर देश का विकास सुनिश्चित करेंगे। इस संबंध में व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अंजू रौले ने संस्थान की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रस्ताव संचालनालय, कौशल विकास को प्रस्तुत किया। उक्त प्रस्ताव को संचालनालय, कौशल विकास द्वारा सहमति प्रदान की गई।

श्री डी.के. व्यास, अतिरिक्त संचालक, संचालनालय, कौशल विकास द्वारा प्रशिक्षण अधिकारियों के लिए 09 प्रशिक्षण कार्यक्रम करने का अनुरोध एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल से किया गया। संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रोफेसर डॉ. निशीथ दुबे, परियोजना समन्वयक के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण अधिकारियों के लिए इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जो इस प्रकार है : केटिया बेसिक, कम्प्यूटर हार्डवेयर मेंटनेंस एण्ड ट्रबलशूटिंग, वैब डिज़ाइनिंग एण्ड डेवलेपमेंट, सी.एन.सी. प्रोग्रामिंग एण्ड सिम्यूलेशन, वैब डिज़ाइनिंग एण्ड डेवलेपमेंट, कम्प्यूटर नेटवर्किंग ऑपरेशन, वैल्डिंग टेक्नॉलॉजी, 2 डी एनीमेशन डेवलेपमेंट। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य कम समय में अधिक से अधिक गुणवत्ता एवं कौशल प्रदान करना है। श्री आर.जी. गर्ग, प्रधानाचार्य संचालनालय की ओर से कुशल समन्वयक का कार्य कर रहे हैं।

egkjk"V rduhdh f'k{kk eMy dh f'k{kdkgr fo'k"k bMD'ku dk;Øe

एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा महाराष्ट्र राज्य के विभिन्न पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थानों में नव नियुक्त शिक्षकों हेतु विशेष इंडक्शन फेस–2 कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। एनआईटीटीटीआर, भोपाल द्वारा आयोजित इन विशेष 15 दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रमों में लगभग 400 प्रतिभागी भाग लेंगें। उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के समस्त संकाय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

---

jktHkk"kk foHkkx d {k=h; dk;ky; Hkkiky }kjk lLFkku dk fujh{k.k

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल के कार्यालय अध्यक्ष श्री हरीश चौहान के द्वारा 02 मई 2017 को निटर भोपाल का निरीक्षण किया गया और संस्थान के निदेशक एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष प्रो. सी. थंगराज से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया एवं उसके पश्चात संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री डी.के. तिवारी एवं श्रीमती अनिता लाला के साथ संस्थान के अनुभागों एवं विभागों में भ्रमण कर राजभाषा कार्यान्वयन के कार्यो का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन में किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की।

jktHkk"kk dk;k dk fujh{k.k djr lfefr lnL;

---

jktHkk"kk dk;kUo;u lfefr dh 76oh cBd liUu

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 76वीं बैठक दिनांक 29 मई 2017 को संपन्न हुई। बैठक के प्रारम्भ में समिति के सचिव श्री डी. के. तिवारी ने नगर राजभाषा समिति के अध्यक्ष प्रो. सी. थंगराज का स्वागत किया। इसके बाद अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सचिव द्वारा बैठक की कार्रवाई मदवार की गई। इस बैठक में विभिन्न विभागों को हिन्दी में अधिक से अधिक पत्राचार व कार्य करने का सुझाव दिया गया। इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

---

jktHkk"kk dk;kUo;u efd ;mRd"V dk;k d fy; iFke jktHkk"kk ijLdkj

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के राजभाषा विभाग द्वारा 22 मई 2017 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक में निटर भोपाल को वर्ष 2015–16 में राजभाषा कार्यान्वयन में किये गये उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रथम पुरस्कार ''राजभाषा शील्ड'' प्रदान की गई। यह पुरस्कार श्री महेन्द्रनाथ पाण्डेय, राज्यमंत्री, मानव संसाधन विभाग भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया जो कि राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव एवं संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा प्राप्त किया गया।

,uvkbVhVhVhvkj]Hkkiky }kjk viy&eb&tu 2017 e liUu if'k{k.k dk;Øe

S.N.	TITLE	DURATION	VENUE
1	NBA Accreditation	03-07 April 17	Bhopal
2	Induction Phase- II	03-14 April 17	Bhopal (For MP)
3	Design & Development of Lab Work (For - I - Semester Physics, Chemistry, Maths, ICT, Graphics, Workshop, English Courses For MSBTE Identified Teachers)	03-07 April 17	Pune
4	Induction Phase -II	10-21 April 17	Ahmedabad (For Guj)
5	Academic Proposal & Research Paper Writing	17-28 April 17	Bhopal
6	Induction Phase- II	17-28 April 17	Bhopal (For MP)
7	Management Of CDTP Scheme For Madhya Pradesh State	24-28 April 17	Bhopal
8	Induction Phase -II	24 April-05 May 17	Ahmedabad (For Guj)
9	Editing & Validation of Lab Work (For - I - Semester Physics, Chemistry, ICT, Graphics, Workshop, English Courses For MSBTE Identified Teachers)	24-28 April 17	Pune
10	Role Of Technical Teacher	17-21 April 17	Goa
11	Training cum workshop on Content detailing of semester - II courses of all programmes of CRP, CSVTU Bhillai.	17 -21 April 17	BIT Durg
12	LABVIEW Software	01-05 May 17	Bhopal
13	Induction Phase- II	01-12 May 17	Bhopal (For MP)
14	Induction Phase- I	01-12 May 17	Mumbai (For MSBTE)
15	Advances in Pharmaceutical Technology	08-19 May 17	Ahmedabad
16	Advances in Design of Process and Equipment for Process Plants (For Cemical & Mechanical Engineers Only)	08-19 May 17	Ahmedabad
17	Managerial skills for Technical Teachers & Administrators	15-26 May 17	Bhopal
18	Nano-Technology & Nano-Material for Engineering Applications	15-19 May 17	Bhopal
19	Induction Phase- I	15-26 May 17	Bhopal (For Guj)
20	Induction Phase II	15-26 May 17	Goa (For Goa)
21	Management Of CDTP Scheme For Gujarat State	22-26 May 17	Ahmedabad
22	Induction Phase-II	22 May -02 June 17	Mumbai (For MSBTE)
23	Induction Phase-II	22 May -02 June 17	Pune (For MSBTE)
24	Induction Phase-II	22 May -02 June 17	Nagpur (For MSBTE)
25	Induction Phase-II (MSBTE)	22 May -02 June 17	Aurangabad (For
26	Recent Trends in power System Management (for Electrical Branch only)	22-26 May 17	Ahmedabad
27	Induction Phase- I	29 May-09 June 17	Bhopal (For Guj)
28	Induction Phase- I	29 May-09 June 17	Pune (For MSBTE)
29	Induction Phase- I	29 May-09 June 17	Amravati (For MSBTE)
30	Induction Phase-I	29 May-09 June 17	Nashik (For MSBTE)
31	Computer Aided Design of Civil Engineering Structures	29 May-02 June 17	Ahmedabad
32	Management of CDTP Scheme For Maharashtra State (Nagpur Nashik & Amravati)	05-09 June 17	Bhopal
33	Induction Phase- I	05-16 June 17	Kolhapur (For MSBTE)
34	Induction Phase- I	05-16 June 17	Nagpur (For MSBTE)
35	Induction Phase-I (MSBTE)	05-16 June 17	Aurangabad (For
36	Design & Editing of Question Papers (For - I - Semester Physics, Chemistry, Maths, ICT,Graphics, Workshop, English Courses For MSBTE Identified Teachers)	05-09 June 17	Pune
37	Review of Industrial Training	05-09 June 17	Goa
38	Data Analysis and Report Writing.	12-16 June 17	Bhopal
49	Cloud computing	12-16 Jun-17	Bhopal
40	Induction Phase-I	12-23 June 17	Bhopal (For Guj)
41	Induction Phase-I	12-23 June 17	Bhilai (For CG)
42	Portfolio Supported Assessment for Self Directed learning	12-16 June 17	Ahmedabad
43	Analog and Digital Circuit Design & Testing using Multisim	19-23 June 17	Bhopal
44	Management Of CDTP Scheme For Goa & Chhattisgarh State	19-23 June 17	Bhopal
45	Advances in Building Services (for Civil and Architect Branches only)	19-23 June 17	Ahmedabad
46	Design & & Development of Lab Instruction & Question Paper (For - II - Semester of Group - A Programmes & Applied Science Courses For MSBTE Identified Teachers)	19-23 June 17	Pune
47	Strategic Leadership & Innovations in a Changing Environment	26-30 June 17	Bhopal
48	Web based courseware Development (LMS MOODLE)	26-30 June 17	Bhopal
49	Structural Design Using ANSYS	26-30 June 17	Bhopal
50	Induction Phase- II	26 June-07 July 17	Bhopal (For MP)
51	Developing Entrepreneurship Skills in Students	26-30 June 17	Ahmedabad

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

निदेशक प्रो. सी. थंगराज का संस्थान में स्वागत

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम

महाराष्ट्र के शिक्षाको के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

आई.एस.ओ. ऑडिट

विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित कार्यक्रम

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी,
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्री सुधीर त्रिपाठी, छायांकन : रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित